आज का पुरुषार्थ by Suraj Bhai

Date: 7 February, 2022 **Website**: www.shivbabas.org

धारणा - *अपने वायब्रेशन्स से चारों और शक्तिशाली लहर फैलायें*

हम सभी सेवाओं के फ़ील्ड में रहते है। सेवायें हमारे लिए फलीभूत हो इसके लिए आवश्यक है हम सभी के वायब्रेशन्स बहुत अलौकिक बहुत **पवित्र** बहुत **शक्तिशाली** हो।

यदि किसी स्थान पर हम सेवा कर रहे है और वहाँ के वायब्रेशन्स शक्तिशाली और पवित्र है तो देवकुल की आत्माओं को और अन्य अच्छी आत्माओं को उसी स्थान पर आने का आकर्षण होता है।

चाहे वह सेवाकेन्द्र हो चाहे हम कहीं बहुत बड़ा प्रोग्राम करने जा रहे हो। हम इसपर अवश्य ध्यान दे हम उसी स्थान के वायब्रेशन्स को बहुत पावरफूल बना दे।

और इसकी विधि है हम सभी एकमत रहे। किसी भी छोटी मोटी बात में कही भी मान सम्मान के कारण, मुझे चांस मिले इसे नहीं, मुझे ही देना चाहिए था इसे क्यों दिया इन बातों से टकराव में न आ जाये।

मन मुटाव न कर ले, रूस न जाये। कईयों को रूसने की आदतें बहुत है। भगवान के बच्चे भी अगर रूसने है तो दो चार लोग उन्हें ही मनाने में लगे रहते है। वायब्रेशन्स भारी होने लगते है।

यह नहीं करना है। हम तो बाबा के कार्य को सफल करने के लिए आये है। हमें उसमें कहीं भी विघ्न नहीं डालना है। तो टकराव से बचेंगे। एकरस अवस्था रहे सबकी।

सेवाओं में भी जो निमित्त है उन्हें भी इस बात पे ध्यान देना है कि सेवाओं की सफलता हमारे एकमत और एकरस स्थिति पर निर्भर करती है। यदि हम भी अलग अलग मतों वाले हो जायेंगे तो एकमत का राज्य हम कैसे स्थापित करेंगे?

हमें जो सबको एकमत सुनानी है, एक की मत सिखानी है वह होगा नहीं। तो एकमत होने के लिए एक की मत पर चलते रहे। और वह भी एक वो है जिसे हम जन्म जन्म प्यार करते आये।

जो हमारा बहुत बहुत शुभचिंतक है, जो हमें सबकुछ देने आया है। संसार में तो कोई यह भी कह देते है कि इनके मत पर हम क्यों चले? दुसरों की मत अच्छी नहीं लगती। मनुष्य की मत में मतभेद भी होता है। और कहीं कहीं स्वार्थ भी होता है।

लेकिन हमें तो मत मिली है उनकी जो हमारा परम कल्याणकारी है। जो हमारा हित चाहता है, जो हमें प्रेम देने आया है। जिसने हमें अपनी सेवाओं में हिस्सेदारी दी है ...

" तन-मन-धन से तुम मेरे इस कार्य में सेवा करो .. तो तुम श्रेष्ठ भाग्य के अधिकारी बन जाओगे "

तो हम देख ले किसी भी कारण से, कोई भी कारण हो, हम वायब्रेशन्स को निगेटिव न करे। कही मन मुटाव के कारण यह भी सोचते रहते है ... देख लेना बहुत मेहनत कर रहे लोग लेकिन कुछ भी सफलता नहीं मिलेगी।

कोई यह भी कहते है ... यह तो बस इनसे ही सेवा कराते रहते है। देख लेना कुछ भी नहीं होने जा रहा है। यह निगेटिव वायब्रेशन इस स्थान के वातावरण को बहुत हल्का बना देता है।

जो बुद्धिमान है, जो समझदार है, जो बाबा के सच्चे सहयोगी है वो तो हर परिस्थिति में एक ही संकल्प रखेंगे सेवा कोई भी कर रहा हो, निमित्त कोई भी हो, धन किसने भी लगाया हो, लेकिन यह हम सबकी सेवा है। यह हम सबकी सफलता है।

देवकुल की आत्माओं को आकर्षित करना हमारा परम कर्तव्य है। इसलिए यह सेवा सफल हो और रोज चुपचाप बैठकर उस स्थान को गुड वायब्रेशन्स देने चाहिए।

जैसे कि ...

*" **मैं परम पवित्र आत्मा हूँ** .. बाबा के पवित्र किरणें मुझ पर पड़ रही है .. और वह किरणें मेरे मस्तक से नयनों से निकलकर उस स्थान को जा रही है .. जैसे कि वह सारा स्थान पवित्र वायब्रेशन्स से भर गया है "*

" मैं मास्टर सर्वशक्तिमान हूँ .. बाबा की शक्तियाँ मुझमें समा कर मेरे मस्तक से उस स्थान को पहुँच रही है .. वह स्थान चार्ज हो रहा है "

संकल्प कर दे ..

" जो भी यहाँ आयेंगे वह चार्ज हो जायेंगे .. वो अपने देव स्वरूप को पहचान लेंगे .. उनको बाबा से मिलन होगा "

तो आज सारा दिन यह दोनों अभ्यास करेंगे। और हम सब बाबा के सपूत बच्चे है .. इस स्मृति में रहेंगे।

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org